ब्रेकथ्रू ने नाटक, कविताओं से की मुद्दे की बात
अन-डर फेस्टीवल में युवाओं ने की जेंडर,अधिकारों और सेफर स्पेस पर चर्चा

नई दिल्ली,1 अप्रैल 2017, जिस देश की 65 फीसदी आबादी युवा है, वहां बदलाव भी युवा ही लाएंगें। जोश औऱ जज्बें से भरे यह युवा जब जेंडर,अधिकार जैसे मुद्दों पर बात करें तो मान लेना चाहिये बदलाव शुरू हो चुका है। मौका था राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित मानवाधिकार और महिला मुद्दो पर काम करने वाली स्वंयसेवी संस्था ब्रेकथ्रू के **'अन-डर'** युवा महोत्सव का जिसमें युवा जुटे थेसमाज में लिगं के आधार पर होने वाले भेदभाव,अधिकारों और सेफर स्पेस पर बात करने के लिए।

'अन-डर' जैसा कि नाम से जाहिर है कि बिना डर के, ऐसी जगह जहां हम बिना डर के आ-जा सके। इस संबंध में ब्रेकथ्रू की पियाली बताती है कि इस कार्यक्रम की थीम सार्वजनिक जगहों को सभी के लिए सुरक्षित बनाना है जहां जेंडर के आधार पर वर्गीकरण न हो,क्योंकि लड़कियों या महिलाओं के लिए अगल डिब्बें या सीट बनाने से यह मुद्दा हल नही होगा,क्या 50 से अधिक सीट वाली बस में 8 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करके हम इस मुद्दे को निपटा सकते हैं? शायद नही, औऱ यह मुद्दा सिर्फ लड़की या लड़के से जुड़ा नही है इसमें अन्य जेंडर के लोग भी हैं जो समाज का हिस्सा है हम सभी के लिए सुरक्षित स्पेस की बात कर रहे हैं जहां डर की कोई जगह न हो।साथ ही हम जेंडर और अधिकारों के मुद्दे पर भी इस महोत्सव के माध्यम से बात कर रहे हैं।

इस अवसर पर एक्शन इंडिया यूथ कलेक्टिव के साथ ही थियेटर कलेक्टिव , खालसा कॉलेज का वूमनिया,मैत्रीय कॉलेज से अभिव्यक्ति ग्रुप नें अपने नाटक के माध्यम से सेफर स्पेस की बात की। दाग-ए-दामन नाटक की प्रस्तुति से **मासिक धर्म** को लेकर समाज और लोगों के बीच जो टैबू है उसे दर्शाने का प्रयास किया गया।

युवाओं को एक मंच पर लाने का यह एक शानदार प्रयास था, जहां युवाओं ने अपनी-अपनी कला/प्रस्तुति से समाजिक मुद्दें पर चोट की ।कोई नाटक से तो कोई कविताओं तो कोई ओपेन माइक के माध्यम से खुलकर मुद्दे पर अपनी राय रख रहा था।युवा लीड़रो ने अपनी बातों को रखते हुए बताया कि किस तरह से रूढिवादी सोच को किस तरह से बदला जा सकता है,क्यों परंपराएं तभी टूटेगी जब लोगों की सोच इन मुद्दों पर बदलेगी हमें अपनी सोच के साथ-साथ दूसरों की सोच पर भी काम करने की जरूरत है जिससे एक बराबरी वाले समाज का निर्माण हो सके।

ब्रेकथ्रूकेबारेमें -

ब्रेकथ्रूएकमानवाधिकारसंस्थाहैजोमहिलाओंऔरलड़कियोंकेखिलाफहोनेवालीहिंसाऔरभेदभावकोसमाप्तकरने केलिएकामकरतीहै।कला,मीडिया,लोकप्रियसंस्कृतिऔरसामुदायिकभागेदारीसेहमलोगोंकोएकऐसीदुनियाब नानेकेलिएप्रेरितकररहेहैं,जिसमेंहरकोईसम्मान,समानताऔरन्यायकेसाथरहसके।हममल्टीमीडियाअभियानों

केमाध्यमसेमानवाधिकारसेजुडेंमुद्दोंकोमुख्यधारामेंलारहेहैं।इसेदेशभरकेसमुदायऔरव्यक्तियोंकेलिएप्रासंगिकब नारहेहैं।इसकेसाथहीहमयुवाओं,सरकारीअधिकारियोंऔरसामुदायिकसमूहोंकोप्रशिक्षणभीदेतेहैं,जिससेएकनई ब्रेकथ्रूजेनरेशनसामनेआएजोअपनेआस-पासकीदुनियामेंबदलावलासके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें–

पूर्वा खेत्रपाल
ब्रेकथ्रू
07827602674